# RUSSIA

Date
Page

## संघीय कार्यपालिका (FEDERAL EXECUTIVE)
## राष्ट्रपति (PRESIDENT)

"....Russian Constitution given the President sweeping Power which trump all other political Institution".

— L. Rodrikhosky.

1993 ई० मे अस्तित्व मे आये रूस के संविधान द्वारा देश में संघात्मक शासन की स्थापना की गई है। संघ एवं राज्यो मे दोहरी कार्यपालिका शक्ति है। 1- राष्ट्रपति 2- प्रधानमंत्री, उप-प्रधानमंत्री एवं संघीय मंत्री। राष्ट्रपति राष्ट्र का सर्वोच्च कार्य-कारी सत्ता होता है।

## रूसी संघ का राष्ट्रपति (President of the Russian Federatio

रूसी संघ के संविधान के अध्याय-4 'रूसी गणराज्य के राष्ट्रपति' शीर्षक से युक्त है, इस अध्याय के अनुच्छेद 80 से लेकर 93 मे राष्ट्रपति के बारे मे वर्णन है। राष्ट्रपति राज्य का प्रधान, संविधान का रक्षक तथा नागरिक अधिकारो का संरक्षक है।

- योग्यताएँ (Qualifications): 1- वह रूसी संघ का नागरिक हो।

2- उसकी आयु 35 वर्ष से कम न हो।
उसे रूसी संघ मे निवास करते हुए 10 वर्ष से कम न हो।

- कार्यकाल (Tenure): प्रारम्भ मे राष्ट्रपति का कार्यकाल 4 वर्ष निर्धारित किया गया था किन्तु 2008 मे परिवर्तन करके इसे 6 वर्ष कर दिया गया है।
इससे पूर्व वह त्यागपत्र देकर या महाभियोग की प्रक्रिया द्वारा हटाया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

- चुनाव पद्धति (Method of election) रूसी राष्ट्रपति के निर्वाचन प्रक्रिया का उल्लेख 1995 में स्वीकृत 'रूसी संघ के राष्ट्रपति के निर्वाचन का संघीय कानून' में किया गया है। रूस के राष्ट्रपति के निर्वाचन की विशेषता निम्नलिखित है-
- सार्वभौमिक, समान, प्रत्यक्ष एवं गुप्त मतदान प्रणाली द्वारा रूसी संघ के नागरिक निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेते है।
- मतदाता प्रत्यक्ष रूप से किसी उम्मीदवार को वोट कर सकता है।
- 18 वर्ष से अधिक आयु के नागरिको को चुनाव में भाग लेने का अधिकार (वयस्क मताधिकार)
- रूस की संघीय सभा के उच्च सदन (संघीय परिषद्) द्वारा राष्ट्रपति के निर्वाचन की प्रक्रिया सम्पादित की जाती है। राष्ट्रपति निर्वाचन का दिन वर्तमान राष्ट्रपति के कार्यकाल की निर्धारित संवैधानिक अवधि समाप्ति के बाद पड़ने वाला प्रथम रविवार है।

राष्ट्रपति पद के लिए 50% वोट प्राप्त होना आवश्यक है यदि किसी उम्मीदवार को 50 प्रतिशत से कम मत प्राप्त हो तो 15 दिन के भीतर पुनः मतदान कराया जाता है।

- शपथ (Oath): राष्ट्रपति रूसी संघ के संघीय परिषद के सदस्य, स्टेट ड्यूमा के सदस्य तथा संवैधानिक न्यायालयो के न्यायाधीशो के समक्ष आयोजित समारोह में शपथ लेता है।
- राष्ट्रपति की शक्ति एवं कार्य = रूसी राष्ट्रपति की शक्तियाँ एवं कार्य निम्नलिखित है।

1 कार्यपालिका शक्ति (Executive Power) स्टेट ड्यूमा की सहमती से

संघ का राष्ट्रपति संसदीय सरकार के चेयरमैन (प्रधानमंत्री) की नियुक्ति करता है। प्रधानमंत्री के प्रस्ताव पर वह डिपुटी चेयरमैन तथा अन्य मन्त्रीयो की नियुक्ति करता है। वह सरकार के त्यागपत्र का निर्णय करता है। राष्ट्रपति सुरक्षा परिषद के गठन की स्वीकृति देता है तथा उसके बैठक की अध्यक्षता करता है। वह उपाधियां प्रदान करता है। वह बाहा देशी के नागरिको को दोहरी नागरिकता दिये जाने का निर्णय कर सकता है।

2. विधायी शक्तियाँ (Legislative Powers) संसदीय संविधान मे राष्ट्रपति को महत्वपूर्ण विधायी शक्तियाँ प्राप्त है। उसी संविधान मे उल्लेखित अन्य प्रावधानो के अनुसार स्टेट आफ इमरजेंसी के घोषणा का अधिकार है। संसद द्वारा पारित कोई भी विधेयक राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद ही कानून का रूप लेता है। राष्ट्रपति को देश की आन्तरिक एवं विदेशनीति के क्षेत्र मे सर्वोच्च निति निर्देशक का दर्जा प्राप्त है। राष्ट्रपति प्रतिवर्ष संघीय संसद की संयुक्त बैठक मे राज्य तथा अन्तराष्ट्रीय परिस्थतीयों आदि के सम्बध मे अपना निर्देश दे सकता है।

वित्तीय शक्तियाँ (Financial Powers) राष्ट्रपति बजट प्रस्तावित करता है। राष्ट्रपति वित्त विधेयक पर अपना विशेषाधिकार का प्रयोग कर सकता है।

न्यायिक शक्तियाँ (Judicial Powers) संसदीय संविधान मे राष्ट्रपति को यह शक्ति प्राप्त है कि वह संवैधानिक न्यायालय, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधिश, महान्यायवादी आदि की नियुक्ति के लिए संघीय परिषद के समक्ष नाम प्रस्तावित करता है। राष्ट्रपति को क्षमा प्रदान का अधिकार है।

x x x

Scanned with CamScanner

5. सैन्य शक्ति (Military powers) राष्ट्रपति रूस के सशस्त्र बलों का सर्वोच्च सेनापति (कमाण्डर इन चीफ) है। उसे सशस्त्र बलों के कमाण्डरों की नियुक्ति एवं बर्खास्त करने की शक्ति प्राप्त है।

⇒ आपात कालीन शक्तियाँ (Emergency Powers) अनुच्छेद 88 के अन्तर्गत राष्ट्रपति के आपातकालीन शक्ति का वर्णन है। राष्ट्रपति आपातकालीन की घोषणा की सूचना संघीय परिषद् एवं स्टेट ड्यूमा को तुरन्त देना संवैधानिक बाध्यता है।
संक्षेप में रूसी राष्ट्रपति के पास कार्यपालक शक्तियाँ है जिसका प्रयोग वह प्रत्यक्ष रूप से स्वयं करता है। वह रूस की विदेश नीति का व्याख्याता होता है। वह नीति को व्यवहारिक रूप प्रदान करने के लिए संधियों, कूटनीति बातचीत तथा अन्तराष्ट्रीय संधियों पर हस्ताक्षर करता है।
इस प्रकार संविधान एवं कानून उसे व्यापक शक्तियाँ एवं अधिकार प्रदान करता है।

• निष्कर्ष (Conclusion) रूसी राष्ट्रपति का पद भारतीय राष्ट्रपति तथा ब्रिटिश सामाग्री की भाँति औपचारिक नहीं है बल्कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रपति की भाँति शक्तिशाली राज्याध्यक्ष है। उसकी कार्यपालिका, सैन्य एवं कूटनीतिक शक्तियाँ जो उसे सर्वोच्च स्वरूप प्रदान करती है। वह स्टेट ड्यूमा द्वारा पारित विधेयक पर ~~निषेध~~ निषेधाधिकार (Veto) का प्रयोग कर सकता है। रूसी संघ के संविधान के अनुच्छेद 91 के अनुसार उसे उन्मुक्तियाँ प्राप्त है जिसके चलते उसके अधिनायकवादी शासक बन जाने की सम्भावना बलवती दिखाई पड़ती है।

* * *

Scanned with CamScanner